

# Living the LOTUS

Buddhism in Everyday Life



Founder's Essay

## बुद्ध की अनुकंपा की आँखें प्राप्त करना

शाक्यमुनि बुद्ध के जीवनकाल में, भारत में एक बड़ा राज्य कोसल था। एक दिन, कोसल के राजा ने रानी से कहा, “जब मैं इस पर गहराई से विचार करता हूँ, तो इस निष्कर्ष पर पहुँचता हूँ कि कोई भी व्यक्ति उतना प्यारा नहीं है जितना कि वह स्वयं है।” फिर उसने उससे पूछा, “तुम क्या सोचती हो?” जब रानी ने इसके बारे में सोचा, तो वह भी इस निष्कर्ष पर पहुँची कि वह अपने को सबसे प्रिय मानती है।

जब दोनों ने इस प्रश्न को शाक्यमुनि बुद्ध के समक्ष रखा, उन्होंने बताया, “यदि आप स्वयं को सबसे अधिक प्रिय मानते हैं, तो आपको समझना चाहिए कि अन्य लोग भी किसी और से ऊपर स्वयं को मानते हैं। इसलिए आप को चाहिए कि दूसरों को कभी नुकसान नहीं पहुँचायें।”

हम अधिकतर अपने स्वयं के दृष्टिकोण से चीजों को देखते हैं, इसलिए एक पल के लिए कदम पीछे ले जाना महत्वपूर्ण है। दूसरे व्यक्ति के जूते में पैर डाल कर चीजों को उनकी नज़र से देखने का प्रयास करें। फिर आप चीजों को पूरी तरह से अलग स्थिति में देखेंगे। जैसे कि आपकी आँखों से तराजू गिर गया है, और आप उनके दिलों में झाँकने और उन चीजों को देखने में सक्षम होंगे जो वास्तव में हैं।

मुझे लगता है कि यह कहना उचित है कि अपने आप को किसी और के जूते में रखने और एक नई रोशनी में चीजों को देखने में सक्षम होना बुद्ध की करुणा की आँखों को प्राप्त करने की कुंजी है।

निक्क्यो निवानो, काइसो जुइकान 9 (कोसेइ प्रकाशन, 1997),  
पीपी. 268-269

### Living the Lotus Vol. 181 (October 2020)

Senior Editor: Koichi Saito  
Editor: Eriko Kanao  
Copy Editor: Parmita Shekhar

Living the Lotus is published monthly  
by Rissso Kosei-kai International,  
Fumon Media Center, 2-7-1 Wada,  
Suginami-ku, Tokyo 166-8537, Japan.  
TEL: +81-3-5341-1124  
FAX: +81-3-5341-1224  
Email: [living.the.lotus.rk-international@kosei-kai.or.jp](mailto:living.the.lotus.rk-international@kosei-kai.or.jp)

रिश्शो कोसेईकाई गृहस्थों की संस्था है जिसका पवित्र ग्रन्थ सद्धर्म पुण्डरीक सूत्र एवं अन्य दो लघु सूत्रों का संकलन है। इस संस्था को संस्थापक निक्क्यो निवानो एवं सह-संस्थापक म्योको नागानुमा ने सन् १९३८ ई० में स्थापित किया था। यह उन साधारण स्त्रियों एवं पुरुषों की संस्था है जिन्हें बुद्ध में श्रद्धाविश्वास है तथा जो बुद्ध के उपदेशों के अनुसार चलते हुए अपने आध्यत्मिक जीवन को समृद्ध बनाते हैं।

प्रेसिडेण्ट का दिशानिर्देश निचिको निवानो, के अन्तर्गत हम देश एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तरों पर अन्य संस्थाओं के साथ मिलकर शान्ति एवं कल्याण के लिये तत्पर होकर परोपकार के कार्य में सलग्न हैं।

“लिविंग द लोटस: बुद्धिज्म इन एवरीडे लाइफ” का उद्देश्य यह दर्शाना है कि जैसे सरोवर के कीचड़ से निकलकर कमल खिलता है वैसे ही पुण्डरीक सूत्र की शिक्षा का दैनिक जीवन में अनुशरण के प्रयास से हमारा जीवन समृद्ध बनता है, हमारा जीना सार्थक होता है। इसका संस्करण के माध्यम से दुनियाँ में लोगों के दैनिक जीवन में बौद्धधर्म की शिक्षा को सरल बोधगम्य बनाना है।

यदि आप अपना मन बदलते हैं,  
तो आप अपना जीवन बदल देंगे



निचिको निवानो

प्रेसिडेण्ट, रिशो कोसेइ काइ



### हम सभी समान रूप से बुद्ध के शिष्य हैं

इस समाचार पत्र के पिछले महीने के अंक में, मैंने शाक्यमुनि की कहानी और उनके एक शिष्य शुद्धिपंथक का उल्लेख किया है।

उस कहानी में शुद्धिपंथक, जो शोक में खो गया था और अपनी खराब यादाश्त पर दुःखी हो रहा था, शाक्यमुनि के शब्दों में सच्चाई से विश्वास और अभ्यास करता था। परिणामस्वरूप, उन्होंने अपने मन की सफाई के महत्व का अनुभव किया और अपने जीवन को बदल दिया।

अमेरिका के दार्शनिक विलियम जेम्स (1842-1910) के एक उद्धरण में इस विचार का उल्लेख है। उन्होंने कहा, “यदि आप अपना मन बदलते हैं, तो आप अपने कार्यों को बदलते हैं। यदि आप अपने कार्यों को बदलते हैं, तो आप अपनी आदतों को बदलते हैं। यदि आप अपनी आदतों को बदलते हैं, तो आप अपने चरित्र को बदलते हैं। और अगर आप अपना चरित्र बदलते हैं, तो आप अपना भाग्य बदलते हैं।” यह लगभग ऐसा लगता है कि जेम्स सीधे शुद्धिपंथक की कहानी का जिक्र कर रहे हैं, जिसने अपने दिमाग को बदलकर, अपने जीवन को बदल दिया और बदले में अपना भाग्य को भी बदल दिया।

दूसरी तरह से कहें तो, अपने जीवन को बदलने का अर्थ है अपने आस-पास की हर चीज के साथ अपने रिश्ते और संबंधों को बदलना है। यह है, जब आप को शुद्धिपंथक की तरह कुछ महत्वपूर्ण का बोध होता है, और अपने मन में दृढ़ संकल्प लेते हैं कि अपने आस-पास की हर चीज से किस प्रकार निपटना है। यदि, जब भी हानिकर चीजें आपके रास्ते में आती हैं, तो आप उन्हें अच्छे उपयोग में बदल सकते हैं।

अब, क्या यह हमारे लिए एक समस्या है? पूछने पर, हममें से कुछ हतोत्साहित हो सकते हैं और कह सकते हैं कि “मेरे लिए यह बहुत कठिन है।” हालाँकि, हमें यह नहीं भूलना चाहिए, कि शुद्धिपंथक की तरह हम भी बुद्ध के शिष्य हैं और हम बुद्ध से शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। जैसाकि दूर के अतीत के बुद्ध के शिष्य के साथ हुआ, वैसे ही हम भी अपनी चिंता और पीड़ा के बीच बुद्ध के उपदेशों का सामना करते हैं, जो हमें कुछ महत्वपूर्ण का बोध करा सकता है।

इसलिए, व्यक्ति और परिस्थितियों के आधार पर मुझे लगता है कि मन के दोषों को दूर करने के कई उपाय हैं - जैसेकि अपने सामने की इच्छा में बह जाने से स्वयं को रोक लें, अपनी भावनाओं को अनियंत्रित नहीं होने दें और क्रोधित नहीं हों, और जैसा परिवर्तन आये उसको स्वीकार करना है। मुझे लगता है कि बुद्ध की शिक्षा में सच्चाई से विश्वास करने और उसे अभ्यास में लाने से, आपका भाग्य अपने आप बदल जाएगा।



## विश्वास का विषय

भले ही हम समझते हैं कि बुद्ध की शिक्षा में विश्वास करना और उसका अभ्यास करना कितना महत्वपूर्ण है, कभी-कभी हमारा मन डगमगाने लगता है, शिक्षा पटरी से उतर जाती है, और आत्म-केंद्रित विचारों एवं कार्यों की ओर दौड़ने लगता है।

इसका कारण शिक्षा में पूर्ण विश्वास हो सकता है। जैसा कि संस्थापक निवानो ने हमें बताया है, “विश्वास केवल आँख बंद करके नहीं करना है - सत्य के प्रति जागृत होकर विश्वास करना है।” दूसरे शब्दों में, विश्वास करने के लिए, मात्र विश्वास करना ही यथेष्ट नहीं है, यदि आपने सत्य और बुद्ध धर्म को जान लिया है (सभी चीजें अनित्य, अनात्म एवं प्रतीत्यसमुत्पन्न हैं), आप इस प्रकाश में चीजों के बारे में सोच सकते हैं, और ज्ञान में निहित जीवन जी सकते हैं, जिसका बुद्ध की शिक्षा में विश्वास करना तथा उसमें आस्था रखना ही सच्चा अर्थ है।

आस्था की बात करें, तो मन में भक्ति का अर्थ आता है। हम मानव प्राणी में बुद्ध के समान सारतत्व हैं। इसलिए बुद्ध शाक्यमुनि में हमारी आस्था का अर्थ है कि हमें अपनी और हमारे आस-पास के सभी लोगों की मानवता एवं बुद्ध-स्वभाव में विश्वास है

इस बात को ध्यान में रखते हुए, हम कह सकते हैं कि शिक्षा में विश्वास करने और अभ्यास करने का आधार अपने सामने विद्यमान व्यक्ति पर विश्वास करने और उसके प्रति श्रद्धा रखने की पूरी कोशिश करना है।

संयोग से, जैसा कि “पुण्यपर्याय” (पुण्डरीक सूत्र, परिवर्त-17) में लिखा है, “जिन लोगों ने सुना है कि बुद्ध का जीवनकाल इतनी लंबी अवधि का है और एक क्षण के लिए विश्वास और समझ का अनुभव करने में सक्षम रहे हैं और उनके प्राप्त गुण सीमा और माप से परे है।”

जैसा कि मैंने पहले भी प्रायः कहा है, यदि हम एक पल के लिए भी विश्वास करते हैं, कि हम बुद्ध के समान ही शाश्वत जीवन जी रहे हैं और हर कोई बुद्ध-प्रकृति का प्रकटीकरण है, तो इस तरह की प्रतीति का हमारा व्यक्तिगत अनुभव ही हमारे लिए गणनातीत गुण लायेगा।

जैसा कि आप सभी निश्चित रूप से जानते हैं, हर कोई बुद्ध के समान जीवन जीता है और यह बुद्ध-प्रकृति का प्रकटीकरण है। लेकिन जब इस तरह की सच्चाई सामने आती है, तो वह हमारे लोगों के प्रति व्यवहार करने के तरीके को बदल देता है और हम कैसे स्वीकार करते हैं कि वे हमसे क्या कहते हैं, क्या वे नहीं करते हैं? इस बोध का अनुभव करके, आप एक ऐसा जीवन खोल रहे हैं जिसमें आप हमेशा बुद्ध के समान महान मन के साथ आनंदपूर्वक रह सकते हैं।

From *Kosei*, October 2020.



# समेकित त्रिविध पुण्डरीक सूत्रः प्रत्येक अध्याय का सारांश एवं मुख्य बिन्दुयें

## परिवर्त-18 अनुमोदनापुण्यनिर्देश

एक से दूसरा जब पचासवाँ आदमी पुण्डरीक सूत्र को सुनता है

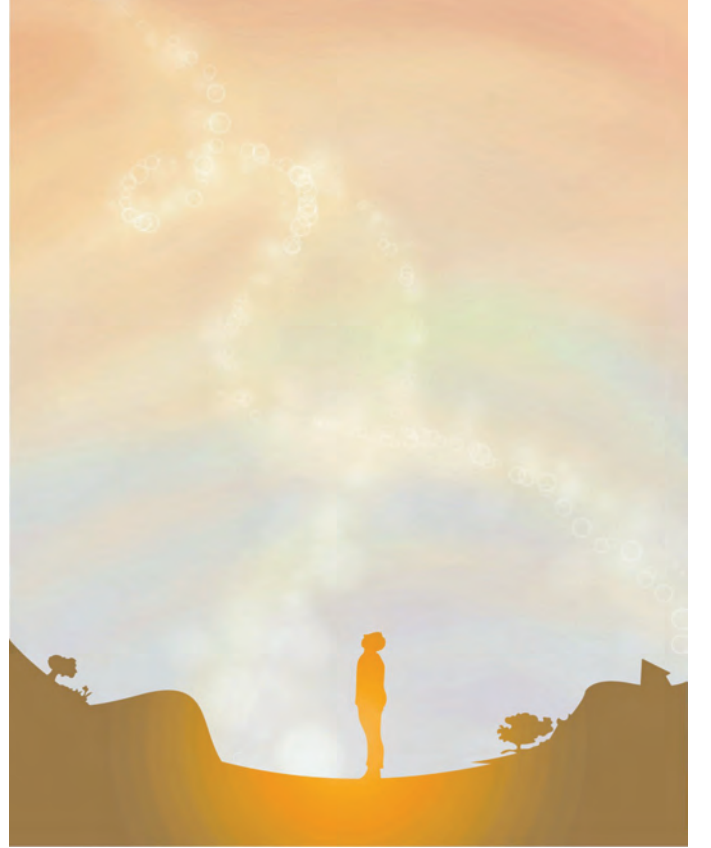
इस परिवर्त का विषय पुण्डरीक सूत्र के सम्पर्क से प्रारंभिक आनन्द का गुण है। वह इस प्रक्रिया पर विस्तार से प्रकाश डालता है, क्योंकि शिक्षा को सुनने के साथ जो आनन्द मिलता है - इसके लिए हार्दिक आभार और इससे प्रसन्नता - विश्वास का प्राथमिक और अपरिहार्य तत्व है।

बोधिसत्त्व मैत्रेय के एक प्रश्न के साथ परिवर्त का आरंभ होता है, जिसमें वे पूछते हैं, पुण्डरीक सूत्र के सुनने पर किसी को जिस आनन्द का अनुभव होता है। बुद्ध का इस पर व्यापक उत्तर है, “मान लो कि कुछ लोग धर्म सभा में आए हैं, और शिक्षा को सुनकर आनंद और कृतज्ञता का अनुभव करते हैं। एक ने किसी और को सुनाया, जो सुना है। और हम यह मान लें कि जिस व्यक्ति को उसने सुनाया समान रूप से हर्षित हुआ और वह किसी और को सुनाया। फिर हम मान लेते हैं कि यह प्रक्रिया तब तक चलती रही, जब तक कि शिक्षा पचासवें व्यक्ति तक नहीं पहुँच जाता है, जो उसी तरह कृतज्ञता से अभिभूत हो जाता है।

इस पचासवें व्यक्ति का पुण्य एक अति धनाढ्य व्यक्ति द्वारा संचित पुण्य की तुलना में हजारों लाखों गुना अधिक है, जिसने सम्पूर्ण जीवन सभी प्रकार के दान करने में बिताया है। यह और भी अधिक संगीन समस्या उनके साथ है, जिन्होंने पहली बार धर्मसभा में इसे सुनकर हर्षित हुए, क्योंकि उनका पुण्य अतिउत्तम, अथाह और असीम है।”

जैसा कि हम आज पढ़ते हैं, हम पहले श्रोताओं के पुण्यों की विशालता को आसानी से समझ सकते हैं, क्योंकि वे विश्वास के वातावरण में थे और धर्म में निपुण प्रभावी धर्मभाणक के मुँह से देशना सुनी थी। लेकिन कुशल वक्ता या विश्वास के वातावरण की अनुपस्थिति में, जब संवाद एक साधारण आदमी से दूसरे और दूसरे से पचासवें तक पहुँच जाता है, तो केवल संवाद की नंगी हड्डियाँ ही बची रह जाती हैं।

लेकिन पुण्डरीक सूत्र की नंगी हड्डियाँ इतना अपार प्रभावी हैं कि वे प्रभावित करने में विफल नहीं हो सकते, यहाँ तक कि पचास बार इधर उधर हुआ - वे अभी भी एक अमीर आदमी के गुणों से अधिक



है, जिन्होंने अपना जीवन दान देने में बिताया है। इसके दो कारण हैं। एक यह है कि सच्चा धर्म सुनने से जो आत्मिक आनन्द मिलता है वह तुलना से परे एक कोष है। दूसरा यह है कि इस आनन्द में विकसित होने की असीम क्षमता है, क्योंकि शिक्षा एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति तक पहुँचता है।

### धर्म से सम्पर्क का महत्व

इसके बाद, बुद्ध ने कहा, एक व्यक्ति शिक्षा को सुनकर आनन्दित नहीं होता है, फिर भी यदि वह धर्म सभा में भाग लेता है, और केवल एक क्षण के लिए, पुण्डरीक सूत्र की देशना को सुनता है, उसे प्रचुर पुण्यफल प्राप्त होगा। कहने की आवश्यकता नहीं है कि जो दूसरों को धर्मसभा में आने और देशना को सुनने के लिए प्रोत्साहित करता है, वह भी महा पुण्यफल प्राप्त करता है।

इससे हमें पता चलता है कि धर्म से सम्पर्क का अवसर मिलना कितना महत्वपूर्ण है। भले ही हम सभी बुद्ध-प्रकृति के अधिकारी हों,



लेकिन हम मुक्ति तब तक प्राप्त नहीं कर सकते हैं, जब तक हमारा बुद्ध-स्वभाव जागृत नहीं होता। इसलिए, मुक्ति के लिए आवश्यक है कि सबसे पहले, देशना से संपर्क बनाये रखना है। यह इस कारण से है कि इसका सामना करने का अवसर कितना महत्वपूर्ण है, और दूसरों को इस तरह सम्पर्क में लाने में सहायता करना और भी अधिक योग्य है।

इस परिवर्त में हमें दिखाया गया है कि श्रद्धाविश्वास रखनेवाले के लिए सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि वह मन की खेती करे जो मन धर्मदेशना के लिए उत्तरदायी है और उसके लिए आभारी है। और यदि हम उसके लिए आभारी हैं, तो हम दूसरों के साथ धर्मदेशना को साझा करने से बचे रहने में समर्थ नहीं रहेंगे।

यह उस पाठ का हिंदी अनुवाद है जिसका जापानी मूल होक्के सानबुक्यो: काकु होन नो आरामासी तो योतेन (समेकित त्रिविध पुण्डरीकसूत्रः प्रत्येक परिवर्त का सारांश और मुख्य बिंदुएँ ) में संस्थापक निक्क्यो निवानो के नाम प्रकाशित है, (कोसेइ प्रकाशन, 1991 (संशोधित संस्करण, 2016), पीपी.180-83.



### बुद्ध के समान जीवन जीना

4 अक्टूबर को रिश्शो कोसेइ काइ संस्थापक निक्क्यो निवानो का वार्षिक पुण्य तिथि मनाएगा। उस दिन हम संस्थापक निवानो के महान गुणों को याद करेंगे और नए सिरे से उनकी स्मृति को पोषित करेंगे, उनके प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करेंगे, उनके गुणों की प्रशंसा करेंगे, और उनकी शिक्षा का पालन करने और उन्हें व्यापक रूप से प्रसारित करने की प्रतिज्ञा करेंगे। ऐसा करने के लिए, यह जानना महत्वपूर्ण होगा कि हम में से हर एक संस्थापक का सीधा शिष्य है।

इस महीने के लिए अपने संदेश में, "यदि आप अपना मन बदलते हैं, तो आप अपने जीवन को बदलते हैं," प्रेसिडेण्ट निचिको निवानो हमें बताते हैं कि हम बुद्ध की शिक्षा पर विश्वास करके और उसे व्यवहार में लाकर अपना जीवन बदल सकते हैं। ऐसा होने के लिए, वे हमें याद दिलाते हैं कि हमें अपने और दूसरों के बुद्ध-स्वभाव पर विश्वास करना चाहिए, क्योंकि हम सभी बुद्ध के समान जीवन जी रहे हैं।

प्रेसिडेण्ट निवानो का यह भी कहना है कि शिक्षा में विश्वास करने और उनका अभ्यास करने का आधार अपने सामने वाले व्यक्ति के बुद्ध-स्वभाव का सम्मान करने की पूरी कोशिश करना है।

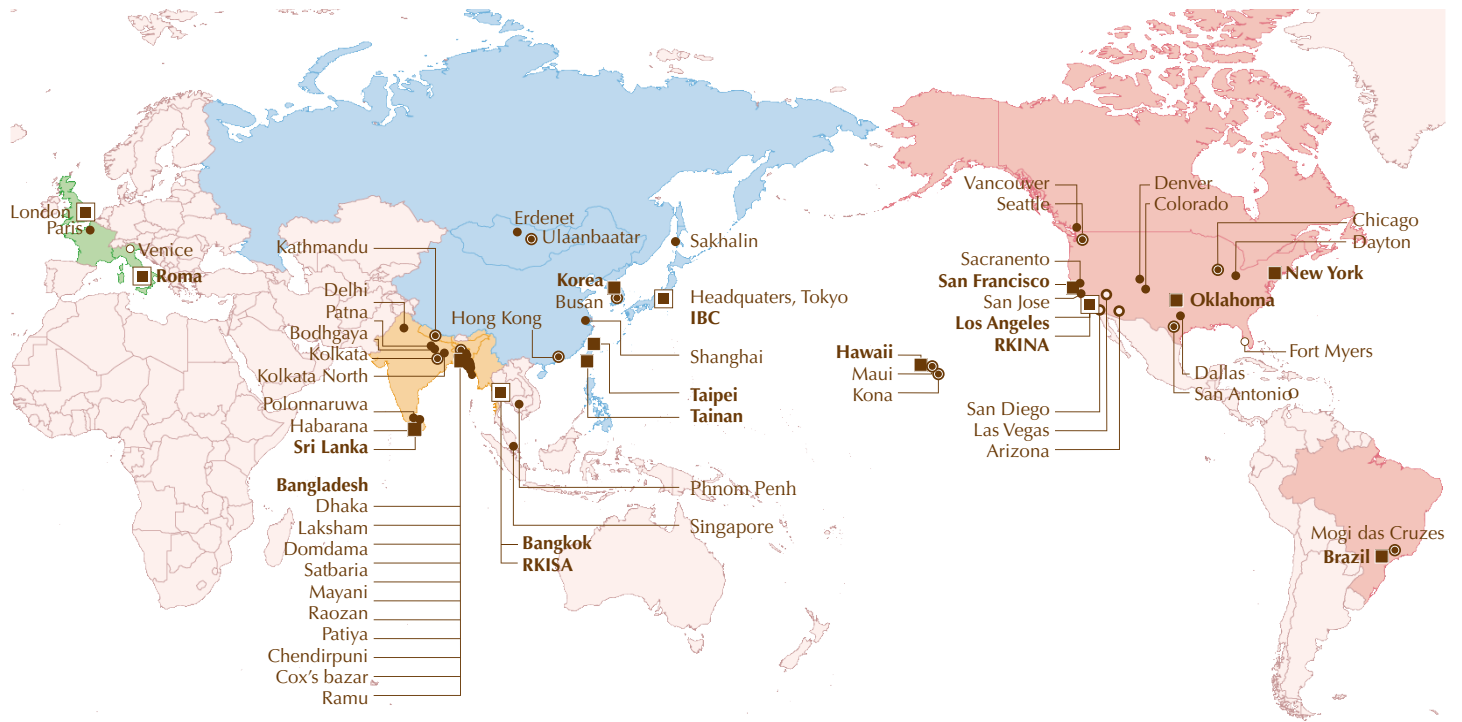
मुझे उम्मीद है कि हम में से हर एक उन लोगों की सहायता में आ सकता है, जो महामारी से पीड़ित हैं, उनके साथ मुस्कुराकर बातें करके उनमें खुशी और मन की शांति की एक झलक ला सकता है।

रेव. कोइची साइतो

निदेशक, रिश्शो कोसेइ काइ इंटरनेशनल



# Rissho Kosei-kai: A Global Buddhist Movement



## Rissho Kosei-kai Buddhist Church of Hawaii

2280 Auhuhu Street, Pearl City, HI 96782, USA  
 TEL: 1-808-455-3212 FAX: 1-808-455-4633  
 Email: sangha@rkhawaii.org URL: <http://www.rkhawaii.org>

## Rissho Kosei-kai Maui Dharma Center

1817 Nani Street, Wailuku, HI 96793, USA  
 TEL: 1-808-242-6175 FAX: 1-808-244-4625

## Rissho Kosei-kai Kona Dharma Center

73-4592 Mamalahoa Highway, Kailua-Kona, HI 96740, USA  
 TEL: 1-808-325-0015 FAX: 1-808-333-5537

## Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Los Angeles

2707 East First Street, Los Angeles, CA 90033, USA  
 POBox 33636, CA 90033, USA  
 TEL: 1-323-269-4741 FAX: 1-323-269-4567  
 Email: rk-la@sbcglobal.net URL: <http://www.rkina.org/losangeles.html>

Please contact Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Los Angeles

- Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Arizona**
- Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Colorado**
- Rissho Kosei-kai Buddhist Center of San Diego**
- Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Las Vegas**
- Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Dallas**

## Rissho Kosei-kai of San Francisco

1031 Valencia Way, Pacifica, CA 94044, USA  
 POBox 778, Pacifica, CA 94044, USA  
 TEL: 1-650-359-6951 Email: [info@rksf.org](mailto:info@rksf.org) URL: <http://www.rksf.org>

Please contact Rissho Kosei-kai of San Francisco

- Rissho Kosei-kai of Sacramento**
- Rissho Kosei-kai of San Jose**

## Rissho Kosei-kai of New York

320 East 39th Street, New York, NY 10016, USA  
 TEL: 1-212-867-5677 Email: [rkny39@gmail.com](mailto:rkny39@gmail.com) URL: <http://rk-ny.org>

## Rissho Kosei-kai of Chicago

1 West Euclid Ave., Mt. Prospect, IL 60056, USA  
 TEL: 1-773-842-5654  
 Email: [murakami4838@aol.com](mailto:murakami4838@aol.com) URL: <http://rkchi.org>

## Rissho Kosei-kai of Fort Myers

URL: <http://www.rkftmyersbuddhism.org>

## Rissho Kosei-kai Dharma Center of Oklahoma

2745 N.W. 40th St., Oklahoma City, OK 73112, USA  
 POBox 57138, Oklahoma City, OK 73157, USA  
 TEL: 1-405-943-5030 FAX: 1-405-943-5303  
 Email: [rkokdc@gmail.com](mailto:rkokdc@gmail.com) URL: <http://www.rkok-dharmacenter.org>

## Rissho Kosei-kai Dharma Center of Denver

1255 Galapago St. #809 Denver, CO 80204, USA  
 TEL: 1-303-446-0792

## Rissho Kosei-kai Dharma Center of Dayton

617 Kling Drive, Dayton, OH 45419, USA  
 URL: <http://www.rkina-dayton.com>

## The Buddhist Center Rissho Kosei-kai International of North America (RKINA)

2707 East First St., Suite #1, Los Angeles, CA 90033, USA  
 TEL: 1-323-262-4430 FAX: 1-323-269-4567  
 Email: [dharmasa@rksabuddhistcenter.org](mailto:dharmasa@rksabuddhistcenter.org)  
 URL: <http://rksabuddhistcenter.org>

## Rissho Kosei-kai Buddhist Center of San Antonio

(Address) 6083 Babcock Road, San Antonio, TX 78240, USA  
 (Mail) POBox 692148, San Antonio, TX 78249, USA  
 TEL: 1-210-558-4430 FAX: 1-210-696-7745  
 Email: [dharmasanantonio@gmail.com](mailto:dharmasanantonio@gmail.com)  
 URL: <http://www.rkina.org/sanantonio.html>

## Rissho Kosei-kai of Seattle's Buddhist Learning Center

28621 Pacific Highway South, Federal Way, WA 98003, USA  
 TEL: 1-253-945-0024 Email: [rkseattlewashington@gmail.com](mailto:rkseattlewashington@gmail.com)  
 URL: <http://buddhistlearningcenter.org>

## Rissho Kosei-kai of Vancouver

Please contact RKINA

## Rissho Kosei-kai do Brasil

Rua Dr. José Estefno 40, Vila Mariana, São Paulo-SP, CEP 04116-060, Brasil  
 TEL: 55-11-5549-4446, 55-11-5573-8377  
 Email: [risho@rkk.org.br](mailto:risho@rkk.org.br) URL: <http://www.rkk.org.br>

**Risho Kosei-kai de Mogi das Cruzes**

Av. Ipiranga 1575-Ap 1, Mogi das Cruzes-SP, CEP 08730-000, Brasil

**在家佛教韓國立正佼成會**

〒 04420 大韓民國 SEOUL 特別市龍山區漢南大路 8 路 6-3  
6-3, 8 gil Hannamdaero Yongsan gu, Seoul, 04420, Republic of Korea  
TEL: 82-2-796-5571 FAX: 82-2-796-1696

**在家佛教韓國立正佼成會釜山支部**

〒 48460 大韓民國釜山廣域市南區水營路 174, 3F  
3F, 174 Suyoung ro, Nam gu, Busan, 48460, Republic of Korea  
TEL: 82-51-643-5571 FAX: 82-51-643-5572

**社團法人在家佛教立正佼成會**

台灣台北市中正區衡陽路 10 號富群資訊大廈 4 樓  
4F, No. 10, Hengyang Road, Jhongheng District, Taipei City 100, Taiwan  
TEL: 886-2-2381-1632, 886-2-2381-1633 FAX: 886-2-2331-3433

**台南市在家佛教立正佼成會**

台灣台南市崇明 23 街 45 號  
No. 45, Chongming 23rd Street, East District, Tainan City 701, Taiwan  
TEL: 886-6-289-1478 FAX: 886-6-289-1488  
Email: koseikaitainan@gmail.com

**Rissho Kosei-kai South Asia Division**

Thai Rissho Friendship Foundation  
201 Soi 15/1, Praram 9 Road, Bangkok, Huaykhwang, Bangkok 10310, Thailand  
TEL: 66-2-716-8141 FAX: 66-2-716-8218

**Rissho Kosei-kai of Kathmandu**

Ward No. 3, Jhamsikhel, Sanepa-1, Lalitpur, Kathmandu, Nepal

**Rissho Kosei-kai of Kolkata**

E-243 B. P. Township, P. O. Panchasayar, Kolkata 700094, India

**Rissho Kosei-kai of Kolkata North**

AE/D/12 Arjunpur East, Teghoria, Kolkata 700059,  
West Bengal, India

**Rissho Kosei-kai of Bodhgaya Dharma Center**

Ambedkar Nagar, West Police Line Road, Rumpur, Gaya-823001,  
Bihar, India

**Rissho Kosei-kai of Patna Dharma Center**

Please contact Rissho Kosei-kai of Kolkata

**Rissho Kosei-kai of Central Delhi**

77 Basement D.D.A. Site No. 1, New Rajinder Nagar,  
New Delhi 110060, India

**Rissho Kosei-kai of Singapore**

Please contact Rissho Kosei-kai International

**Rissho Kosei-kai of Phnom Penh**

W.C. 73, Toul Sampaov Village, Sangkat Toul Sangke, Khan Reouseykeo,  
Phnom Penh, Cambodia

**RKISA Rissho Kosei-kai International of South Asia**

Thai Rissho Friendship Foundation  
201 Soi 15/1, Praram 9 Road, Bangkok, Huaykhwang, Bangkok 10310, Thailand  
TEL: 66-2-716-8141 FAX: 66-2-716-8218

**Rissho Kosei-kai of Bangkok**

Thai Rissho Friendship Foundation  
201 Soi 15/1, Praram 9 Road, Bangkok, Huaykhwang, Bangkok 10310, Thailand  
TEL: 66-2-716-8216 FAX: 66-2-716-8218 Email: info.thairissho@gmail.com

**Rissho Kosei Dharma Foundation**

No. 628-A, Station Road, Hunupitiya, Wattala, Sri Lanka  
TEL: 94-11-2982406 FAX: 94-11-2982405

**Rissho Kosei-kai of Polonnaruwa**

Please contact RiKISA

**Rissho Kosei-kai Bangladesh**

85/A Chanmari Road, Lalkhan Bazar, Chittagong, Bangladesh  
TEL/FAX: 880-31-626575

**Rissho Kosei-kai Mayani**

Mayani Barua Para, Mirsarai, Chittagong, Bangladesh

**Rissho Kosei-kai Damdama**

Damdama Barua Para, Mirsarai, Chittagong, Bangladesh

**Rissho Kosei-kai Satbaria**

Village: Satbaria Bepari Para, Chandanail, Chittagong, Bangladesh

**Rissho Kosei-kai Chendhirpuni,**

Village: Chendhirpuni, P.O.: Adhunogar, P.S.: Lohagara, Chittagong,  
Bangladesh

**Rissho Kosei-kai Raozan**

Dakkhin Para, Ramzan Ali Hat, Raozan, Chittagong, Bangladesh

**Rissho Kosei-kai Laksham**

Village: Dhupchor, Laksham, Comilla, Bangladesh

**Rissho Kosei-kai Dhaka**

408/8 DOSH, Road No 7 (West), Baridhara, Dhaka, Bangladesh

**Rissho Kosei-kai Cox's Bazar**

Ume Burmize Market, Tekpara, Sadar, Cox's Bazar, Bangladesh

Please contact Rissho Kosei-kai Bangladesh

**Rissho Kosei-kai Patiya****Rissho Kosei-kai Ramu****Rissho Kosei-kai Aburkhiln****Buddiyskiy khram "Lotos"**

4 Gruzinski Alley, Yuzhno-Sakhalinsk 693005, Russia  
TEL: 7-4242-77-05-14

**Rissho Kosei-kai of Hong Kong**

Flat D, 5/F, Kiu Hing Mansion, 14 King's Road, North Point, Hong Kong, China

**Rissho Kosei-kai Friends in Shanghai****Rissho Kosei-kai of Ulaanbaatar**

(Address) 15F Express Tower, Peace avenue, khoro-1, Chingeltei district,  
Ulaanbaatar 15160, Mongolia  
(Mail) POBox 1364, Ulaanbaatar-15160, Mongolia  
TEL: 976-70006960 Email: rkkmongolia@yahoo.co.jp

**Rissho Kosei-kai of Erdenet**

Please contact Rissho Kosei-kai International

**Rissho Kosei-kai di Roma**

Via Torino, 29, 00184 Roma, Italia  
TEL/FAX: 39-06-48913949 Email: roma@rk-euro.org

Please contact Rissho Kosei-kai di Rome

**Rissho Kosei-kai of Paris****Rissho Kosei-kai of Venezia****Rissho Kosei-kai of the UK**

29 Ashbourne Road, London W5 3ED, UK  
TEL: 44-20-8933-3247 Email: info@rkuk.org URL: <https://www.rkuk.org>  
Facebook: <https://www.facebook.com/RKUnitedKingdom>  
Twitter: [https://twitter.com/rkuk\\_official](https://twitter.com/rkuk_official)  
Instagram: [https://www.instagram.com/rkuk\\_official](https://www.instagram.com/rkuk_official)

**Rissho Kosei-kai International Buddhist Congregation (IBC)**

166-8537 東京都杉並区和田 2-7-1 普門メディアセンター 3F  
Fumon Media Center 3F, 2-7-1 Wada, Suginami-ku, Tokyo 166-8537, Japan  
TEL: 03-5341-1230 FAX: 03-5341-1224 URL: <http://www.ibt-rk.org>